PHILOSOPHY

PAPER—II

Note : This paper contains fifty (50) multiple-choice questions, each question carrying two (2) marks. Attempt all of them.

1. According to Heracliths becoming is :
   (A) real (B) unreal
   (C) real and unreal (D) neither real nor unreal

2. According to Plato, the soul has following three parts :
   (A) reason, spirit and appetite (B) truth, morality and values
   (C) matter, form and spirit (D) potentiality, actuality and reality

3. According to Aristotle, the predicables are :
   (A) genus, differentia and accident
   (B) differentia, accident, genus and property
   (C) genus and property
   (D) genus, species, differentia, property and accident

4. The Principle of Harmony is fundamental in the philosophy of :
   (A) Spinoza (B) Descartes
   (C) Leibnitz (D) Aristotle

5. According to Descartes, deduction differs from intuition since :
   (A) intuition is unreliable, while deduction is reliable
   (B) intuition is sensory, while deduction is not so
   (C) intuition does not field any new truth while deduction does
   (D) certain movement on succession belongs to deduction and not to intuition

6. Which one of the following is the correct definition of secondary qualities, according to Locke ?
   (A) Secondary qualities are those whose ideas are not exact resemblances of qualities themselves.
   (B) Secondary qualities are those which are imposed on the external objects by human mind
   (C) Secondary qualities are nothing in the objects themselves but powers to produce sensations in us by their primary qualities.
   (D) Secondary qualities are the powers to produce objects in external world.

www.examrace.com

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. हेराक्लाइटस के अनुसार संभूति है :
   - (A) वास्तविक
   - (B) अवास्तविक
   - (C) वास्तविक एवं अवास्तविक
   - (D) न तो वास्तविक न ही अवास्तविक

2. प्लेटो के अनुसार आत्मा के निम्नलिखित तीन भाग हैं :
   - (A) तर्क, चेतना और एषणा
   - (B) सत्य, नैतिकता और मूल्य
   - (C) द्रव्य, आकार और चेतना
   - (D) सम्भाव्यता, वास्तविकता और सत

3. अरस्तू के अनुसार विधेयात्मक होता है :
   - (A) जाति, व्यावर्तक और आकस्मिक
   - (B) व्यावर्तक, आकस्मिक, जाति और गुण
   - (C) जाति और गुण
   - (D) जाति, उपजाति, व्यावर्तक, गुण और आकस्मिक

4. सामंजस्य का सिद्धान्त मूलभूत है :
   - (A) स्पिनोजा के दर्शन में
   - (B) देकार्त के दर्शन में
   - (C) लाईब्निट्ज के दर्शन में
   - (D) अरस्तू के दर्शन में

5. देकार्त के अनुसार निगमन अन्तर्भास से भिन्न है क्योंकि :
   - (A) अन्तर्भास अविश्वसनीय है जबकि निगमन विश्वसनीय है।
   - (B) अन्तर्भास [illegible] है जबकि निगमन ऐसा नहीं है।
   - (C) अन्तर्भास से कोई नया सत्य नहीं निकलता जबकि निगमन से नया सत्य निकलता है।
   - (D) विशुद्ध गति और अनुक्रम निगमन से संबंधित है न कि अन्तर्भास से।

6. निम्नलिखित में से कौनसी एक लॉक के अनुसार गौण गुणों की सही परिभाषा है?
   - (A) गौण गुण वह होते हैं जिनके प्रत्यय स्वयं गुणों के पूर्णतः सदृश नहीं होते।
   - (B) गौण गुण वह होते हैं जो मनुष्य अपने मन से बाह्य वस्तुओं पर आरोपित करते हैं।
   - (C) गौण गुण वस्तुओं में नहीं होते अपितु वे ऐसे गुण होते हैं जो अपने मूल गुणों द्वारा हममें संवेदनाएं उत्पन्न करते हैं।
   - (D) गौण गुण वे शक्तियां हैं जो बाह्य जगत में पदार्थों को उत्पन्न करती हैं।

www.examrace.com

7. According to Kant, the original question of metaphysics is :

(A) How is the existence of God is possible ?

(B) How is noumenal reality related to phenomenal reality ?

(C) How is synthetic a priori judgement possible ?

(D) How is talk about freedom and immortality meaningful ?

8. According to Russell, physical objects are :

(A) idea (B) bogus entities

(C) logical construction (D) illusions

9. Which one of the following statements is not true of Wittgenstein's Tractates Logic Philosophies ?

(A) The structure of language is isomorphic with the structure of reality

(B) Names are the ultimate constituents of language

(C) Objects are ultimate constituents of reality

(D) The structure of an object corresponds to the structure of a name

10. Heidegger's Dasein is a :

(A) thinking being (B) material being

(C) spiritual being (D) worldly being

11. An intentional act of consciousness according to Husserl is :

(A) actively envisions the object

(B) passively apprehends the object

(C) actively constitutes the object

(D) passively discovers the object

12. Which of the following pairs of concepts is propounded by Ryle ?

(A) knowing by acquaintance and knowing by description

(B) knowing how and knowing that

(C) existence and essence

(D) performative utterances and constative utterances

www.examrace.com

7. काण्ट के अनुसार तत्त्वमीमांसा का मूलभूत प्रश्न है :

(A) ईश्वर की सत्ता कैसे संभव है?

(B) प्रपंच और परमार्थ की यथार्थता में क्या संबंध है?

(C) संश्लेषणात्मक अनुभव निरपेक्ष ज्ञान कैसे संभव है?

(D) स्वतंत्रता और अमरता का विवेचन कैसे सार्थक है?

8. रसेल के अनुसार भौतिक वस्तुएँ होती हैं :

(A) विचार (B) मिथ्या

(C) तार्किक संरचनाएँ (D) भ्रम

9. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक विट्गेन्स्टाईन के ट्रैक्टेटस लॉजिको फिलोसोफिकस के बारे में सत्य नहीं है?

(A) भाषा की संरचना तथ्यों की संरचना के समरूप है।

(B) नाम भाषा के आधारभूत संघटक हैं।

(C) वस्तुएँ तथ्यों की आधारभूत संघटक होती हैं।

(D) वस्तु की संरचना, नाम की संरचना के अनुरूप होती हैं।

10. हाइडेगर का डाज़ाईन है :

(A) विचारशील सत्ता (B) भौतिक सत्ता

(C) आध्यात्मिक सत्ता (D) सांसारिक सत्ता

11. हुस्सर्ल के अनुसार चेतना की अभिप्राय क्रिया है :

(A) विषय को सक्रिय रूप से आलोकित करना।

(B) विषय को निष्क्रिय रूप से गठित करना।

(C) विषय को सक्रिय रूप से गठित करना।

(D) विषय को निष्क्रिय रूप से खोजना।

12. निम्नलिखित में से कौनसे प्रत्यय-युग्म की प्रस्थापना राईल द्वारा की गयी है?

(A) परिचय के द्वारा ज्ञान और वर्णन के द्वारा ज्ञान

(B) जानना कैसे, जानना कि

(C) सत्ता और सार

(D) प्रदर्शनात्मक उच्चारण और निश्चित उच्चारण

www.examrace.com

13. The four parts of each veda are :

(A) the Brahmanas, Brahmasutras, Bhagavadgita and Upanishads

(B) the Brāhmanas, Bhagavadgita, Aranyakas and Upanishads

(C) the Saṁhitas, the Brāhmanas, the Āranyakas, and the Upanishads

(D) the Brāhmanas, Aranyakas, Upanishads and Brahmasutras

14. Aprthak Siddhi, according to Ramanuja, is a relation between :

(A) Jiva and Brahman only
(B) Jiva and Jagat only
(C) Jiva, Brahman and Jagat
(D) Brahman and Jagat only

15. in Advaita Vedānta, the two powers of Avidya are called :

(A) Avarana and Maya
(B) Āvarana and Ahamkara
(C) Avarana and Viksepa
(D) Āvarana and Avyakta

16. The view that liberated soul is devoid of knowledge and bliss is accepted by :

(A) Nyāya - Vaisesika
(B) Advaita
(C) Saṁkhya
(D) Chārvāka

17. 'A thing has infinite qualities' is propounded by :

(A) Jainism (B) Buddhism (C) Sāṁkhya (D) Yoga

18. The Chārvāka School maintains that reality :

(A) is unknowable
(B) can be known through inference
(C) can be known through Sabda
(D) is perceivable only

19. According to Radhakrishnan the phenomenal world is :

(A) static manifestation of the power of Brahman
(B) only manifestation of the power of Brahman
(C) dynamic manifestation of the power of Brahman
(D) illusory manifestation of the power of Brahman

20. Non - violence, according to Mahatma Gandhi is not :

(A) The law of the human species
(B) The gospel of human action
(C) Goodwill towards all life
(D) Passive resistance

www.examrace.com

13. प्रत्येक वेदों के चार भाग हैं :

(A) ब्राह्मण, ब्रह्मसूत्र, भगवद्गीता और उपनिषद्

(B) ब्राह्मण, भगवद्गीता, आरण्यक और उपनिषद्

(C) संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद्

(D) ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् और ब्रह्मसूत्र

14. रामानुज के अनुसार अपृथक सिद्धि है संबंध :

(A) केवल जीव और ब्रह्म में (B) केवल जीव और जगत् में

(C) जीव, ब्रह्म और जगत् में (D) केवल ब्रह्म और जगत् में

15. अद्वैत वेदान्त में अविद्या की दो शक्तियां कहलाती हैं :

(A) आवरण और माया (B) आवरण और अध्यास

(C) आवरण और विक्षेप (D) आवरण और अज्ञान

16. मुक्त आत्मा ज्ञान और आनन्द से रहित है यह मत है :

(A) न्याय – वैशेषिक का (B) अद्वैत का

(C) सांख्य का (D) चार्वाक का

17. 'वस्तु अनन्त धर्मात्मक है' इस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है :

(A) जैन दर्शन ने (B) बौद्ध दर्शन ने

(C) सांख्य ने (D) योग ने

18. चार्वाक दर्शन की मान्यता है कि आत्मा :

(A) अरोध है। (B) अनुमान द्वारा जानी जा सकती है।

(C) शब्द द्वारा जानी जा सकती है। (D) केवल प्रत्यक्षगम्य है।

19. शंकराचार्य के अनुसार प्रपंचिक जगत है :

(A) ब्रह्म की शक्ति की स्थिर अभिव्यक्ति (B) ब्रह्म की शक्ति की अभिव्यक्ति मात्र

(C) ब्रह्म की शक्ति की गतिशील अभिव्यक्ति (D) ब्रह्म की शक्ति की भ्रमात्मक अभिव्यक्ति

20. महात्मा गाँधी के अनुसार अहिंसा नहीं है :

(A) मानवीय प्रजाति का नियम (B) मानवीय क्रिया की गरिमा

(C) समस्त जीवन के प्रति शुभेच्छा (D) निष्क्रिय प्रतिरोध

www.examrace.com

Instructions :

The following items consist of two statements one labelled the **Assertion (A)** *and the other labelled the* **Reason (R)**. *You are to examine these two statements carefully and decide if the Assertion A and Reason R are individually true and if so whether the Reason is a correct explanation of Assertion. Select your answers to these items using the codes given below and mark your answer sheet accordingly.*

Codes :

(A) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(B) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not a correct explanation of **(A)**.

(C) **(A)** is true but **(R)** is false.

(D) **(A)** is false but **(R)** is true.

21. **Assertion (A)** : Locke was compelled to say "substance is something I know not what".
Reason (R) : Locke draws a distinction between intuitive, demonstrative and sensitive knowledge.

22. **Assertion (A)** : In Gandhian ethics the golden rule of conduct is tolerance.
Reason (R) : Conscience is not the same thing for all.

23. **Assertion (A)** : According to Śaṅkara the individual selves are identical with Brahman.
Reason (R) : The Lakṣyārtha of the statement Tattvamasi should be admitted instead of its Śabdārtha.

24. **Assertion (A)** : Śaṅkara accepted the Nyāya theory of Khyātivāda.
Reason (R) : According to Śaṅkara effect must exist in the cause before its manifestation.

25. **Assertion (A)** : According to Moore Mill has committed a naturalistic fallacy.
Reason (R) : Mill has defined a natural property, goodness in terms of another natural property called pleasure.

26. **Assertion (A)** : According to Gandhi Śatya is the end and ahiṃsa is the means.
Reason (R) : Gandhi believes that end and means are interdependent.

27. **Assertion (A)** : According to Kant moral duty is the imperative of pure reason.
Reason (R) : Kant believes that moral duty is given by one's intuition.

28. **Assertion (A)** : According to Bradley, thought commits suicide while apprehending Reality.
Reason (R) : According to Bradley, thought and Reality are identical.

www.examrace.com

निम्नलिखित प्रश्नांशों में दो वक्तव्य हैं। एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानी पूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या कथन (A) तथा कारण (R) पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या, कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों का उत्तर नीचे दिये हुए कूट की सहायता से चुनिये और अपने उत्तर पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिये।

कूट :

(A) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और, **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण है।

(B) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, किन्तु **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) **(A)** सही है, किन्तु **(R)** गलत है।

(D) **(A)** गलत है, किन्तु **(R)** सही है।

21. **कथन (A) :** लाक यह कहने के लिए बाध्य था कि "द्रव्य वह है जिसे मैं नहीं जानता"।

कारण (R) : लाक अन्तर्भास, निदर्शनात्मक और इन्द्रिय जन्य ज्ञान में भेद करते हैं।

22. **कथन (A) :** गाँधी के नीतिशास्त्र में आचरण का सर्वोच्च नियम है सत्यशीलता।

कारण (R) : सबकी अन्तरात्मा एकसी नहीं होती।

23. **कथन (A) :** शंकर के अनुसार व्यक्ति की आत्मा और ब्रह्म में अभेद है।

कारण (R) : 'तत्वमसि' वाक्य के 'शब्दार्थ' नहीं अपितु 'लक्ष्यार्थ' को ही माना जाना चाहिये।

24. **कथन (A) :** शंकर ने न्याय के सत्कार्यवाद सिद्धान्त की आलोचना की।

कारण (R) : शंकर के मतानुसार कार्य को व्यक्त होने से पूर्व कारण में निहित होना चाहिये।

25. **कथन (A) :** मूर के अनुसार मिल प्रकृतिवादी दोष से ग्रसित है।

कारण (R) : मिल ने एक प्राकृतिक गुण 'शुभ' को सुख कहे जाने वाले दूसरे प्राकृतिक गुण के रूप में परिभाषित किया है।

26. **कथन (A) :** गाँधी के अनुसार सत्य साध्य है और अहिंसा साधन है।

कारण (R) : गाँधी का विश्वास है कि साध्य और साधन परस्पराश्रित हैं।

27. **कथन (A) :** काण्ट के अनुसार नैतिक कर्त्तव्य शुद्ध बुद्धि का आदेश है।

कारण (R) : काण्ट का विश्वास है कि नैतिक कर्त्तव्य व्यक्ति के अन्तःअनुभूति द्वारा दिया जाता है।

28. **कथन (A) :** ब्रैडले के अनुसार सत् के ग्रहण करने में विचार आत्महत्या कर लेता है।

कारण (R) : ब्रैडले के अनुसार विचार और सत् में तादात्म्य है।

www.examrace.com

29. **Assertion (A)** : Vivekananda upholds the ideal of Sarvadharmasamānatā.
Reason (R) : Vivekananda believes in the unity and equality of all religions.

30. **Assertion (A)** : The study of moral philosophy is not worth undertaking.
Reason (R) : Moral philosophers have disagreements regarding the same moral issues.

31. **Assertion (A)** : 'All human beings have a right to freedom' is a moral judgement.
Reason (R) : It assets what ought to be

32. The correct sequence of triple transformation in evolutionary theory of Sri Aurobindo is :
(A) psychic transformation, spiritual transformation and supra mental transformation
(B) psychic transformation, supra mental transformation and spiritual transformation
(C) spiritual transformation, psychic transformation and supra mental transformation
(D) supra mental transformation, psychic transformation and spiritual transformation

33. According to Nyāya - vaiśesika which one of the following represents the correct sequence of the five members of syllogism ?
(A) hetu, udāharaṇa, pratijñā, upanaya, nigmana
(B) pratijñā, udaharana, hetu, nigmana, upanaya
(C) pratijña, hetu, upanaya, udaharana, nigmana
(D) pratijñā, hetu, udāharana, upanaya, nigmana

34. The correct sequence of Aṣṭaṅga Yoga of Patanjali is :
(A) Niyama, Asana, Yama, Pratyāhāra, Prāṇāyama, Dharana, Dhyāna, Samādhi
(B) Yama, Niyama, Asana, Prāṇāyāma, Pratyāhāra, Dharana, Dhyāna, Samādhi
(C) Asana, Niyama, Yama, Prāṇayama, Pratyāhara, Dharana, Dhyāna, Samādhi
(D) Yama, Niyama, Asana, Pratyahara, Praṇayama, Dharana, Dhyana, Samadhi

35. The correct sequence of Buddha's causal wheel of dependent origination is :
(A) tṛṣṇā, upādāna, bhāva, jati, jara-maraṇa, avidyā, vedna, saṃskāra, vijñana, nāmarūpa, saḍāyatna, sparsa
(B) jara-maraṇa, sparsa, avidya, vijñana, nāmarūpa, vedna, saḍāyatna, saṃskāra, tṛsna, upādāna, bhāva, jati
(C) avidyā, vijñana, nāmarūpa, vedna, sparsa, saḍāyatna, saṃskāra, tṛsnā, upadana, bhava, jara-maraṇa, jati
(D) avidya, saṃskara, vijñana, namarupa, saḍayatna, sparsa, vedna, tṛsna upadana, bhava, jati, jara-maraṇa

www.examrace.com

29. **कथन (A) :** विवेकानन्द सर्वधर्म समानता के आदर्श को मानते हैं।
कारण (R) : विवेकानन्द सभी धर्मों की समानता एवं एकता में विश्वास करते हैं।

30. **कथन (A) :** नैतिक दर्शन का अध्ययन निरर्थक है।
कारण (R) : किसी भी नैतिक समस्या के बारे में नीतिशास्त्र के दार्शनिकों में मतभेद होते हैं।

31. **कथन (A) :** "सभी मनुष्यों को स्वतंत्रता का अधिकार है" यह एक नैतिक निर्णय है।
कारण (R) : यह हमें निरपेक्ष रूप से बताता है कि क्या होना चाहिए।

32. श्री अरविन्द के विकासवादी सिद्धान्त के त्रिविध रूपान्तरण का सही क्रम है :
(A) चैत्य रूपान्तरण, आध्यात्मिक रूपान्तरण एवं अतिमानसिक रूपान्तरण
(B) चैत्य रूपान्तरण, अतिमानसिक रूपान्तरण एवं आध्यात्मिक रूपान्तरण
(C) आध्यात्मिक रूपान्तरण, चैत्य रूपान्तरण एवं अतिमानसिक रूपान्तरण
(D) अतिमानसिक रूपान्तरण, चैत्य रूपान्तरण एवं आध्यात्मिक रूपान्तरण

33. न्याय वैशेषिक के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा एक न्यायवाक्य के पाँच के सही क्रम को प्रदर्शित करता है?
(A) हेतु, उदाहरण, प्रतिज्ञा, उपनय, निगमन
(B) प्रतिज्ञा, उदाहरण, हेतु, निगमन, उपनय
(C) प्रतिज्ञा, हेतु, उपनय, उदाहरण, निगमन
(D) प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय, निगमन

34. पतञ्जलि के अष्टांगयोग का सही क्रम है :
(A) नियम, आसन, यम, प्रत्याहार, प्राणायाम, धारणा, ध्यान, समाधि
(B) यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि
(C) आसन, नियम, यम, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि
(D) यम, नियम, आसन, प्रत्याहार, प्राणायाम, धारणा, ध्यान, समाधि

35. बुद्ध के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धान्त का सही क्रम है :
(A) तृष्णा, उपादान, भव, जाति, जरामरण, अविद्या, वेदना, संस्कार, विज्ञान, नामरूप, षड़ायतन, स्पर्श
(B) जरामरण, स्पर्श, अविद्या, विज्ञान, नामरूप, वेदना, षड़ायतन, संस्कार, तृष्णा, उपादान, भव, जाति
(C) अविद्या, विज्ञान, नामरूप, वेदना, स्पर्श, षड़ायतन, संस्कार, तृष्णा, उपादान, भव, जरामरण, जाति
(D) अविद्या, संस्कार, विज्ञान, नामरूप, षड़ायतन, स्पर्श, वेदना, तृष्णा, उपादान, भव, जाति, जरामरण

www.examrace.com

36. The correct sequence of four conditions of an intelligible sentence according to Nyāya is :

(A) Akānkṣā, Yogyatā, Sannidhi and Tātparya

(B) Yogyata, Sannidhi, Tatparya, and Ākankṣa

(C) Sannidhi, Yogyatā, Tātparya, and Akānkṣā

(D) Sannidhi, Tatparya, Ākankṣa, and Yogyata

37. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Thinkers)		List - II (Theory)
(a)	Ramanuja	(i)	Satkāryavāda
(b)	Nagarjun	(ii)	Viparītakhyātivāda
(c)	Iswarakrishna	(iii)	Brahmapariṇāmavāda
(d)	Kumarila	(iv)	Sūnyavāda

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

38. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Thinkers)		List - II (Theory)
(a)	Sankara	(i)	Parellism
(b)	Spinoza	(ii)	Divine - evolutionism
(c)	Russell	(iii)	Jivanmukti
(d)	Sri Aurobindo	(iv)	Theory of definite description

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

36. न्याय दर्शन के अनुसार बोधगम्य वाक्य की चार शर्तों का सही क्रम है :

(A) आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि एवं तात्पर्य

(B) योग्यता, सन्निधि, तात्पर्य एवं आकांक्षा

(C) सन्निधि, योग्यता, तात्पर्य एवं आकांक्षा

(D) सन्निधि, तात्पर्य, आकांक्षा एवं योग्यता

37. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I (विचार)		सूची - II (सिद्धान्त)
(a)	रामानुज	(i)	सत्कार्यवाद
(b)	नागार्जुन	(ii)	विपरीतख्यातिवाद
(c)	ईश्वरकृष्ण	(iii)	ब्रह्मपरिणामवाद
(d)	कुमारिल	(iv)	शून्यतावाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

38. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I (लेखक)		सूची - II (सिद्धान्त)
(a)	शंकर	(i)	समानान्तरवाद
(b)	[illegible]	(ii)	दिव्य-विकासवाद
(c)	[illegible]	(iii)	जीवन्मुक्ति
(d)	श्री अरविन्द	(iv)	निश्चित वर्णनात्मक सिद्धान्त

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

39. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Thinkers)		List - II (Theory)
(a)	William James	(i)	Number theory
(b)	Kant	(ii)	Dialectical method
(c)	Hegel	(iii)	Critical transcendental idealism
(d)	Pythagoras	(iv)	Pragmatism

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

40. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Authors)		List - II (Texts)
(a)	Umaswati	(i)	Yogasūtras
(b)	Patanjali	(ii)	Taraksaṃgrah
(c)	Annambhatta	(iii)	Tattvārthasūtra
(d)	Keshav Mishra	(iv)	Tarakbhaṣa

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

39. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची - I (विचारक)		सूची - II (सिद्धान्त)	
(a)	विलियम जेम्स	(i)	अंक सिद्धान्त
(b)	काण्ट	(ii)	द्वन्द्वात्मक विधि
(c)	हेगल	(iii)	आलोचनात्मक अतीन्द्रिय विज्ञानवाद
(d)	पाइथागोरस	(iv)	अर्थक्रियावाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

40. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची - I (लेखक)		सूची - II (ग्रन्थ)	
(a)	उमास्वाती	(i)	योगसूत्र
(b)	पतांजली	(ii)	तर्कसंग्रह
(c)	अन्नंभट्ट	(iii)	तत्त्वार्थसूत्र
(d)	केशव मिश्र	(iv)	तर्कभाषा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

41. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Authors)		List - II (Texts)
(a)	Sri Aurobindo	(i)	Being and Time
(b)	Bradley	(ii)	Mīmāmsā - Sūtra
(c)	Heidegger	(iii)	The Human Cycle
(d)	Jaimini	(iv)	Essays on Truth and Reality

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

42. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Authors)		List - II (Texts)
(a)	Augustine	(i)	Tractates Logico Philosophies
(b)	Hegel	(ii)	Confessions
(c)	Ludwig Wittgenstein	(iii)	Phenomenology of Spirit
(d)	Plato	(iv)	Theatatus

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

41. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची - I (लेखक)		सूची - II (ग्रन्थ)	
(a)	श्री अरविन्द	(i)	मिईग एण्ड टाइम
(b)	ब्रैडले	(ii)	मीमांसासूत्र
(c)	हाइडेगर	(iii)	द ह्यूमन साइकल
(d)	जैमिनी	(iv)	एसेज़ ऑन ट्रुथ एण्ड रियलटी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

42. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची - I (लेखक)		सूची - II (ग्रन्थ)	
(a)	ऑगस्टीन	(i)	ट्रैक्टेटस लॉजिको फिलोसॉफिकस
(b)	हेगेल	(ii)	कन्फेशन्स
(c)	लुडविग विट्गेन्स्टाइन	(iii)	फिनोमिनलॉजि ऑफ स्पिरिट
(d)	प्लेटो	(iv)	थिएटेटस

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.examrace.com

43. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (Schools)		List - II (Theory)
(a)	Buddhism	(i)	Svatah Pramāṇya Paratahaprāmaṇya
(b)	Nyāya	(ii)	Paratah Pramāṇya Paratahaprāmaṇya
(c)	Mimamsa	(iii)	Svataḥ Pramanya Svatahapramanya
(d)	Sankhya	(iv)	Paratah Pramaṇya Svatahapramaṇya

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

44. Match the List - I with List - II and choose the correct answer from the code given below :

	List - I (System/Text)		List - II (Types of Karma)
(a)	Advaita	(i)	Sanehita - Karma, Prārabdha Karma and āgāmī - karma
(b)	Gītā	(ii)	Nitya - Karma, naimittika - karma and kāmyakarma
(c)	Jainism	(iii)	Karma, Akarma and Vikarma
(d)	Mīmāṁsā	(iv)	Jnāyāvaraṇīya - Karma, Jñey āvaraṇīya - Karma and darśanāvaraṇīya - Karma

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

www.examrace.com

43. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I (संप्रदाय)		सूची - II (सिद्धान्त)
(a)	बौद्ध-दर्शन	(i)	स्वतः प्रामाण्य, परतः प्रामाण्य
(b)	न्याय	(ii)	परतः प्रामाण्य, परतः अप्रामाण्य
(c)	मीमांसा	(iii)	स्वतः प्रामाण्य, स्वतः अप्रामाण्य
(d)	सांख्य	(iv)	परतः प्रामाण्य, स्वतः अप्रामाण्य

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

44. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I (तंत्र/ग्रन्थ)		सूची - II (कर्म के प्रकार)
(a)	अद्वैत	(i)	संचित कर्म, प्रारब्ध कर्म और आगामी कर्म
(b)	गीता	(ii)	नित्य कर्म, नैमित्तिक कर्म और काम्य कर्म
(c)	जैनदर्शन	(iii)	कर्म, अकर्म और विकर्म
(d)	मीमांसा	(iv)	ज्ञानावरणीय कर्म, ज्ञेयावरणीय कर्म और दर्शनीयावरणीय कर्म

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

www.examrace.com

45. Match the List - I with List - II and select the correct answer by using the code given below the lists :

	List - I (Authors)		List - II (Works)
(a)	Vātsāyana	(i)	Artha Shastra
(b)	Kautilya	(ii)	Artha Śangraha
(c)	Kumarila Ghatta	(iii)	Kamasutra
(d)	Laugakshi - Bhaskara	(iv)	Slokavartika

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Read the following passage and answer questions 46 to 50 :

Neither the virtues, nor the vices are feelings, for we are not called worthy or worthless on account of our feelings, but on account of our virtues and vices. Moreover, we are not praised or blamed on account of our feelings. For a person is not praised for being frightened or angry; it is not simply for being angry that someone is blamed, but for being angry in a particular way. But we are praised or blamed on account of our virtues and vices. Then again, we feel angry or frightened without choosing to, whereas virtues are choices of some kind, or involve choice. In addition we are said to be moved with respect to our feelings, but in the case of the virtues and vices it is not a matter of being moved but of being in a certain condition. By the same token, the virtues are not capacities either. For, we are not said to be good or bad, or praised or blamed, simply in virtue of being capable of feeling. And again, we have capacities by nature, but we are not good or bad by nature, as noted above. So if the virtues are neither feelings nor capacities, it remains that they are dispositions. This then is our account of the kind of thing virtue is.

46. Moral judgement is based on our being :

(A) happy (B) angry

(C) happy is a particular way (D) angry is a particular way

www.examrace.com

45. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I **(रचयिता)**		**सूची - II** **(अर्थशास्त्र)**
(a)	वात्स्यायन	(i)	अर्थशास्त्र
(b)	कौटिल्य	(ii)	अर्थसंग्रह
(c)	कुमारिल भट्ट	(iii)	कामसूत्र
(d)	लौगाक्षी भास्कर	(iv)	श्लोकवार्तिक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 46 से 50 के उत्तर दीजिये:

न तो सद्गुण और नहि दुर्गुण भावनायें हैं क्योंकि हमारी भावनाओं के कारण हमें योग्य या अयोग्य नहीं ठहराया जाता अपितु इसका कारण तो सद्गुण एवं दुर्गुण होते हैं। हमारी भावनाओं के कारण हमारी प्रशंसा या भर्त्संना नहीं की जाती। क्योंकि भयभीत होने या क्रुद्धहोने के कारण किसी व्यक्ति की प्रशंसा नहीं की जाती; केवल क्रुद्ध होने के कारण किसी की भर्त्संना नहीं की जाती, अपितु उसकी भर्त्संना तो एक विशेष प्रकार से क्रोधित होने पर की जाती है। हमारी प्रशंसा या भर्त्संना का कारण तो सद्गुण या दुर्गुण होते हैं। क्रुद्ध या भयभीत होना हमारे चयन पर आधारित नहीं है जबकि सद्गुणों और दुर्गुणों में एक प्रकार का चुनाव करना होता है। इसके अतिरिक्त अपनी भावनाओं से हम प्रभावित होते हैं किन्तु सद्गुणों और दुर्गुणों से हम प्रभावित नहीं होते हैं अपितु ये तो हमारी एक विशिष्ट स्थिति हैं। इसी कारण सद्गुण क्षमतायें नहीं होती। क्योंकि मात्र किसी भाव की क्षमता के कारण हमें अच्छा या बुरा नहीं कहा जाता है फिर इस कारण हमारी प्रशंसा या भर्त्संना नहीं की जाती। और जैसा ऊपर कहा गया है क्षमतायें हमें स्वभावत: होती हैं किन्तु हम स्वभावत: अच्छे या बुरे नहीं होते। अत: सद्गुण न तो भावनायें है न क्षमतायें है तो ये केवल स्वभाव हैं। अत: सद्गुण का हमारा यह विवरण है।

46. नैतिक निर्णय आधारित हैं :

(A) हमारे प्रसन्न होने में
(B) हमारे क्रुद्ध होने में
(C) एक विशिष्ट विधि से प्रसन्न होने में
(D) एक विशिष्ट विधि से क्रुद्ध होने में

www.examrace.com

47. A moral judgement is based on :

(A) our feelings, virtues and vices

(B) our feelings alone

(C) neither on feelings nor on virtues and vices

(D) virtues and vices alone

48. Virtues and vices are :

(A) dispositions (B) capacities

(C) feelings (D) both feelings and capacities

49. The distinction between feelings and virtues is that :

(A) feelings are being in a certain condition but virtues effects us

(B) feelings effect us, virtues are being in a certain condition

(C) feelings are being in a certain condition and virtues do not effect us

(D) feelings do not effect us but virtues effect us

50. A moral judgement is based on virtues and not on feelings because :

(A) feelings are chosen and virtues are not chosen

(B) feelings are not chosen and virtues are chosen

(C) both feelings and virtues are chosen

(D) neither feelings nor virtues are chosen

- o O o -

www.examrace.com

47. नैतिक निर्णय आधारित है :

(A) हमारी भावनाओं, सद्गुणों और दुर्गुणों पर

(B) केवल हमारी भावनाओं पर

(C) न तो भावनाओं पर और न तो सद्गुणों और दुर्गुणों पर

(D) मात्र सद्गुणों और दुर्गुणों पर

48. सद्गुण और दुर्गुण है :

(A) स्वभाव (B) क्षमतायें

(C) भावनायें (D) भावनायें और क्षमतायें

49. भावनाओं और सद्गुणों में यह भेद है :

(A) भावनायें एक विशिष्ट स्थिति में होना है किन्तु सुद्गुण हमें प्रभावित करते है।

(B) भावनायें हमें प्रभावित करती हैं, सद्गुण हमारी एक विशिष्ट स्थिति है।

(C) भावनायें एक विशिष्ट स्थिति में होना है और सद्गुण हमें प्रभावित नहीं करते है।

(D) भावनायें हमें प्रभावित नहीं करती है, किन्तु सद्गुण हमें प्रभावित करते हैं।

50. नैतिक निर्णय सद्गुण पर आधारित है, न कि भावनाओं पर क्योंकि :

(A) भावनाओं का चयन किया जाता है जबकि सद्गुणों का चयन नहीं किया जाता।

(B) भावनाओं का चयन नहीं किया जाता जब कि सद्गुणों का चयन किया जाता है।

(C) भावनाओं और सद्गुणों दोनों का चयन किया जाता है।

(D) न तो भावनाओं और न तो सद्गुणों का चयन किया जाता है।

- o O o -

www.examrace.com